बिहार खादी संग्राम के अनमोल रत्न–ध्वजा प्रसाद साहू

डा0 मो0 तनवीर

बिहार में खादी आंदोलन को अपेक्षित प्रसार देने में महात्मा गाँधी के सच्चे अनुयायी, समर्पित देशभक्त स्व. ध्वजा प्रसाद साहू का योगदान विशेष उल्लेखनीय है। महात्मा गाँधी से ध्वजा बाबू का संपर्क 1917 ई. में उनकी चम्पाारण–यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर आगमन के क्रम में हुआ। निलहे अंग्रेजों के अंतहीन दमन से त्रस्त किसानों की व्यथा सुनकर उनके समाधान के स्थायी उपाय खोजने के लिए 1917 में गाँधी जब चंपारण आये, उस समय ध्वजा बाबू की सक्रियता और समर्पण भाव से वे विशेष प्रभावित हुए। महात्मा गाँधी से मिलने से पूर्व ध्वजा बाबू 1914 ई. में अनुशीलन पार्टी (गरम दल) के सदस्य थे तथा मुजफ्फरपुर, भागलपुर, मुंगेर एवं पटना इत्यादि शहरों से संगठन का कार्य करते थे। महात्मा गाँधी चम्पारण–यात्रा के क्रम में बहुत कम समय के लिए ही मुजफ्फरपुर रूके किन्तु तत्कालीन युवाओं के लिए वह अवधि अत्यंत प्ररेणादायी थी। गाँधी ने मुजफ्फरपुर के आश्रम–घाट में एक पेड़ लगाया था। ध्वाजा बाबू ने उसी पेड़ के नीचे अपने साथियों के साथ खादी का कार्य शुरू किया। बाद में देशरत्न डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद एवं पंडित जवाहर लाल नेहरू जैसे देश के बड़े नेताओं ने इसी स्थान पर चर्खा चला कर, सूत कातने का काम शुरू कर लोगों के बीच खादी–आंदोलन का प्रसार किया।